भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्नल संख्या **1906**

जिसका उत्तार शुक्रवार, 6 दिसंबर, 2024/15 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है।

नामरूप उर्वरक संयंत्र

1906. श्री गौरव गोगोई:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नामरूप उर्वरक संयंत्र की अधिष्ठानपित क्षमता की तुलना में इसकी वर्तमान परिचालन क्षमता कितनी है;

(ख) उत्पापदन मे किसी कमी के क्या कारण हैं तथा उन्हेंइ दूर करने के लिए क्यात कदम उठाए जा रहे;हैं

(ग) नामरूप में प्रस्तावित चौथे संयंत्र की क्या स्थिति है, इसकी स्थानपना की समय-सीमा तथा संभावित उत्पा दन क्षमता कितनी है और

(घ) क्या सरकार नामरूप उर्वरक संयंत्र के विस्ताकर सहित उर्वरक क्षेत्र में निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए कोई कदम उठा रही है , यदि हां, तो तत्संतबंधी ब्यौरा क्यान है तथा यदि नहींतो इसके क्या कारण हैं?

उत्त र

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्या मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): नामरूप-IIIउर्वरक संयंत्र की पुनर्आकलित क्षमता 2.7 लाख मीट्रिक टन यूरिया की है और संयंत्र क्षमता उपयोग सामान्यत 75% है।

(ख): उत्पादन में कमी का कारण संयंत्र के घूमने वाले और स्थिर उपकरणों के बार -बार ट्रिपिंग और टूटने, उपकरण के पुराने होने और अप्रचलन और एलटीएस (कम तापमान शिफ्ट) उत्प्रेरक की स्थिति में गिरावट को माना जा सकता है।

इनकी समस्या का समाधान करने के लिए उठाए गए कदमों में संयंत्र के चालू एटीए (वार्षिक टर्न अराउंड) में महत्वपूर्ण उपकरण का रख रखाव और मरम्मत कार्य शामिल है। इसके अलावा , एलटीएस उत्प्रेरक को नए उत्प्रेरक के साथ बदल दिया गया है।

(ग) और (घ): नामरूप-IV उर्वरक संयंत्र के विस्तार हेतु निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए निजी बोली मार्ग अपनाया गया है और इसमें कोई सफलता नहीं मिली है। सरकार बीवीएफसीएल में नामरूप -IV इकाई स्थापित करने के लिए उपयुक्त और सतत मॉडल खोजने के लिए सभी संभव विकल्पों की जांच कर रही है।

****